# लघु उद्योगों के साथ बढ़ रहा रोजगार

**1.04** लाख रिक्तियां हैं नेशनल करियर सर्विस के पोर्टल पर

**1.02** करोड़ पंजीकृत बेरोजगार पोर्टल पर हैं देश में

**93%** आनलाइन करते हैं नौकरी के लिए आवेदन

**80%** को मेले के माध्यम से मिली नौकरी

**53%** लोग चयन के बाद कर रहे नौकरी

राजधानी की पहचान में अब आर्थिक उन्नति का नया अध्याय जुड़ने लगा है। चिकन और रेवड़ी जैसे पारंपरिक उद्योगों के साथ ही लघु उद्योगों में बढ़ोतरी होने लगी है। कई बड़े उद्योग भी लगे। उद्योग विभाग और खादी ग्रामोद्योग के माध्यम से युवा रोजगार से जुड़ रहे हैं। एमएसएमई के साथ पिछले पांच वर्षों में शहर में करीब एक दर्जन से अधिक काल सेंटरों में पांच हजार से अधिक युवाओं को नौकरी मिली। अमौसी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष शिव शंकर अवस्थी ने बताया कि शहर में 300 से अधिक बड़े उद्योग औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित हैं। हालांकि, कई कंपनियां बंद हो गई हैं। बंद होने से बेरोजगारी बढ़ रही है।

| वर्ष | उद्योग | कामगार |
|---|---|---|
| 2014 | 1,323 | 8,800 |
| 2015 | 2,134 | 10,800 |
| 2016 | 4,640 | 19,800 |
| 2017 | 6,545 | 21,842 |
| 2018 | 7788 | 22,072 |
| 2019 | 8804 | 17,000 |
| 2020 | 900 | 2,060 |
| 2021 | 120 | 3,500 |

**55** हजार नौकरी देने वाली पंजीकृत कंपनियां हैं

**प्रशिक्षण पर एक नजर**

| | |
|---|---|
| सरकारी प्रशिक्षण केंद्र | 186 |
| निजी केंद्र | 149 |
| सेक्टर | 52 |
| ट्रेडें | 634 |
| इनरोल | 3.4 लाख |
| प्रशिक्षण प्राप्त बेरोजगार | 2.73 लाख |
| प्रशिक्षण की आयु सीमा | 14-35 वर्ष |

**पंजीकृत बेरोजगारों पर एक नजर** (लाख में)

| 2014 | 2015 | 2016 | 2017 | 2018 | 2019 | 2020 | 2021 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 45 | 83 | 78 | 58 | 59 | 62 | 66 | 56 |

"सेवायोजन कार्यालय में पंजीकृत युवाओं को रोजगार मेले के माध्यम से नौकरी दिलाने का प्रयास किया जाता है। इसके लिए आनलाइन आवेदन के साथ ही आनलाइन-आफलाइन साक्षात्कार की व्यवस्था है।

एके भारती, सहायक निदेशक सेवायोजन

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत शहरी व ग्रामीण इलाकों में उद्योग लगाए जा रहे हैं। लघु उद्योगों के साथ ही एक जिला एक उत्पाद के तहत कामगार जोड़े गए हैं। सेवा के क्षेत्र में भी विकास हो रहा है। संक्रमण काल में भी सेनिटाइजर उद्योग को बढ़ावा दिया गया।

मनोज चौरसिया, उपायुक्त उद्योग"

इनपुट : जितेंद्र उपाध्याय